उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह जुलाई, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 जुलाई से 31 जुलाई 2017 तक)

पर्वतीय अंचल में उच्च शिक्षा का संवर्द्धन

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार, प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को सुगम बनाने हेतु प्रयासरत हैं। उनकी संकल्पना है कि प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों के युवाओं को उनके अपने भौतिक परिवेश में ही उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके ताकि वह उच्च शिक्षा के लिए मैदानी क्षेत्रों में पलायन करने के लिए मजबूर न हो। इस संकल्पना को साकार करने के लिए माननीय उच्च शिक्षा मंत्री भी गम्भीरता से प्रयासरत है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग लिया गया तथा लोगों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में माह मई में 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' (Distance Education Promotion Cell) का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ के अतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा चार सदस्यीय शिक्षकों की टीम बनाई गई है जिनके द्वारा माह जुलाई में कुमांऊ व गढ़वाल क्षेत्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने एवं विश्वविद्यालय द्वारा छात्रहित में उठाए गए कदमों की सटीक जानकारी देने हेतु विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। गठित टीम के सदस्यों द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रोजगारपरक व परम्परागत पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। साथ ही जिन विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी नहीं है उन्हें उनके महत्व के संबंध में बताया गया। प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा दूरस्थ शिक्षा के संवर्द्धन हेतु निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

1. दिनाँक 05 जुलाई 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गठित 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन' प्रकोष्ठ द्वारा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर में दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया| वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा समाज में शिक्षा की समानान्तर धारा के रूप में विकसित हो रही है| उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा अपने अध्ययन केंद्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा को दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले छात्रों हेतु सुलभ किया जा रहा है| वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाते हुए विश्वविद्यालय ने अपनी प्रवेश प्रक्रिया

'ऑफ लाइन' के साथ-साथ 'ऑन लाइन' करने का प्रावधान किया है, जिससे राज्य के किसी भी स्थान में निवास करते हुए आसानी से ऑन लाइन प्रवेश लिया जा सकता है|

दिनांक 24 जुलाई, 2017 को श्री गुरू राम राय इण्टर कालेज, पैठानी में 'दूरस्थ शिक्षा दुर्गम से सुगम की ओर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन **उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री धन सिंह रावत** द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ0 एम0एस0 रावत ने मुक्त विश्वविद्यालय से वर्तमान में दुर्गम क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के संवर्द्धन के लिए किए जाने वाले प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में पैठानी, तिरपालीसैंण, मोजखाल, चाकीसैंण, गुलियारी, जाख, नौठा इत्यादि क्षेत्र के हाईस्कूल व इण्टर कॉलेज के मेधावी छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री के कर कमलों से पदक व पुस्तकों का वितरण कर पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 धन सिंह रावत ने वर्तमान शिक्षा में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम को बहुउपयोगी छात्र एवं केन्द्रित बताया। कार्यशाला के अंत में क्षेत्र के समाज सेवी श्री हरेन्द्र नेगी, श्री दीपक रौथाण, श्री विकास हंस, श्री नरेन्द्र रावत, श्रीमती आभा काला को भी सम्मानित किया गया।

माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन

माननीय उच्च शिक्षा मंत्री मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन देते हुए

2. दिनांक 20 जुलाई, 2017 से 29 जुलाई, 2017 तक प्रभारी, प्रवेश डॉ0 एम0एम0 जोशी तथा डॉ0 राकेश रयाल, जन संपर्क अधिकारी द्वारा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में 10 दिवसीय संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्ययन केन्द्रों के निरीक्षण के साथ ही बैठकें भी आयोजित की गईं, जिनमें स्थानीय के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के साथ ही स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवकों, पत्रकारों, अध्यापकों एवं छात्रों ने भारी संख्या में प्रतिभाग किया।

3. दिनांक 26 जुलाई, 2017 से 29 जुलाई, 2017 तक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालयद्वारा उत्तरकाशी क्षेत्रीय कार्यालय तथा बड़कोट अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय तथा इण्टर कॉलेज में बैठकें आयोजित की गई जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। बैठक में विस्तार से विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया और विभिन्न विद्यार्थी सहायता सेवाओं के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला, उन्होंने उत्तराखण्ड से उच्च शिक्षा के लिए पलायन कर रहे छात्रों की गंभीर समस्या का उल्लेख करते हुए स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवकों, पत्रकारों, अध्यापकों एवं छात्रों अवगत कराया। प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने अध्ययन केन्द्रों में माध्यम से राज्य के

दूरदराज क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का प्रचार कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित उच्च गुणवत्तापूर्ण रोजगारपरक पाठ्यक्रमों से सभी को लाभ उठाना चाहिए।

4. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के दूरस्थ शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा राजकीय इंटर कॉलेजबिलखेत में , कार्यशाला का उद्घाटन लोकसभा |दूरस्थ शिक्षा विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया की संसदीय सरकारी आश्वासन समिति के सलाहकार**डॉ राजेश नैथानी जी** एवं इंटर कॉलेजबिलखेत , अपने उद्बोधन में हरीश मोहन रावत कहा |के प्रधानाध्यापक श्री हरीश मोहन रावत जी द्वारा किया गया जिसमे कोई भी व्यक्ति आसानी ,कि वर्तमान समय में हम अपनी शिक्षा दूरस्थ माध्यम से पूर्ण कर सकते हैं कार्यशाला में विभिन्न|से प्रवेश ले सकता हैक्षेत्रों यथा बिलखेतव्यासघाट इत्यादि ,ढाढूखाल ,घंडियाल , क्षेत्रों के राजकीय इंटर कॉलेज के बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्रों को मेडल व पुस्तक देकर सम्मानित संसदीय सरकारी आश्वासन समिति के सलाहकार डॉ राजेश नैथानी जी ने अपने उद्बोधन |किया गया अवगत कराया कि पर्वतीय क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है लेकिन उनको प्रोत्साहन मिलता रहे तो वो अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैंउत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार बेहतर रूप से | कार्यशाला में स्थानीय विद्यालयों के अध्यापक एवं क्षेत्रीय लो |कर रहा हैग उपस्थित रहे|

डा0 राजेश नैथानी द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन

5. दिनांक 19 जुलाई, 2017 से दिनांक 28 जुलाई, 2017 तक कुमाऊं क्षेत्र के पिथौरागढ़ तथा बागेश्वर जिलों के क्षेत्र अल्मोड़ा, बाड़ेछीना, कनारीछीना, सनकोटी, गैनार, ग्वालीखैतोनी, सिम्लता, बेरीनाग, गंगोलीहाट, थल, नाचनी, तेजम, क्वीटी, विर्थी, मुन्स्यारी, कपकोट, बागेश्वर, बालीघाट, दोफाड़, भराड़ी, रमाड़ी, लीति, कठपुड़ियाछीना, बसोली, ताकुला, बिनसर, कसारदेवी, पपरसैली आदि दुर्गम स्थानों में विश्वविद्यालय के विविध पाठ्यक्रमों तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली तथा विविध विशेषताओं जैसे ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया, ऑनलाईन अध्ययन सामग्री इत्यादि से संस्थानों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के छात्र-छात्रओं को परिचित कराया गया।

6. दिनांक 14 जुलाई, 2017 से 21 जुलाई, 2017 तक विभिन्न ब्लॉकों में उच्च शिक्षा के संवर्द्धन हेतु जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया। इनके द्वारा धारी गुनियालेख, धानाचूली, चौंरलेख, पहाड़पानी, बबियाड, पुटगांव, ओखलकाण्डा, खनस्यूँ आदि दुर्गम क्षेत्रों में स्थित इण्टर कालेजों का भ्रमण कर छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिको को विश्वविद्यालय की सुविधाओं से अवगत कराया गया तथा साथ ही ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में, बलॉक के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक में प्रतिभाग कर उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अवगत कराया गया।

7. दिनांक 18 जुलाई, 2017 से 27 जुलाई, 2017 तक उत्तरकाशी के अतिदुर्गम क्षेत्रों त्यूनी, चिवां, गोकुल, झटियाड़, बानली, बंगाड, माकुड़ी गॉव में दूरस्थ शिक्षा के संवर्द्धन हेतु विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी प्रकार सॉकरी, लिवाड़ी, फिताड़ी पुरोला, गड़ूगाड़ आदि क्षेत्रों के राजकीय इण्टर कालेजों में भी कार्यक्रम का आयोजन कर छात्रों एवं स्थानीय निवासियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं सुविधाओं से अवगत कराया गया।

(दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन हेतु किए गए कार्यों का पूर्ण विवरण एवं छायाचित्र संलग्न है- संलग्नक – क)

National Convention on Digital Initiatives for Higher Education

(Action Plan 17 –by-17)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) के इस कार्य योजना के क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय अब तक निम्न बिन्दुओं पर कार्य आरंभ कर दिया गया है-

1. स्पोकन ट्यूटोरियल

विश्वविद्यालय ने फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर को बढ़ावा देने के लिए स्पोकन ट्यूटोरियल, आई0आई0टी0 मुम्बई से अनुबन्ध किया है। इस हेतु दिनांक 17/07/2017 को कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय के अध्यन केंद्र सीफा इंस्टिट्यूट, हल्द्वानी में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के छात्रों के लिए फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के विषय में वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्याशाखाओं के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया वर्कशॉप में श्री बालम दफौटी, कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के बारे में प्रशिक्षण दिया गया | प्रशिक्षण में छात्रों द्वारा ओपन ऑफिस ओ आर जी, द्रुपल तथा वेबसाइट से सम्बंधित टूल्स व आदि ओपन सोर्स सिस्टम सोफ्टवेयर के बारे में जानकारी हासिल की |

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा free open source software (FOSS) को बढ़ावा देने हेतु spoken Tutorial IIT, Bombay से अनुबंध किया गया है | इस परियोजना के अंतर्गत सभी छात्रों को free open source software (FOSS) कोर्स के बारे में ऑनलाइन जानकारी दी जाएगी तथा कोर्स की समाप्ति के बाद आई0आई0टी, बॉम्बे द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जायेंगे| इस हेतु सभी छात्रों को spoken Tutorial IIT, Bombay की वेब साईट http://spoken-tutorial.org/ पर जाकर all courses के ड्राप डाउन मेन्यू से अपनी रुचि के अनुसार किसी भी पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते है। सभी पाठ्यक्रमों से संबन्धित व्याख्यान ऑडियो- वीडियो के रूप में उपलब्ध होंगे तथा ये सभी पाठ्यक्रम इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से डाउनलोड कर प्राप्त किए जा सकते है यह पाठ्यक्रम दोनों ही भाषा हिंदी तथा अंग्रेज़ी में उपलब्ध है |

2. Inflibnet

विश्वविद्यालय में ऑनलाईन जर्नल्स सब्सक्रिप्सन हेतु Inflibnet संस्थान को आवेदन पत्र प्रेषित कर दिया गया है तथा विश्वविद्यालय की वेबसाईट में शिक्षकों तथा शिक्षार्थियों हेतु NDL (National Digital Library) का लिंक भी उपलब्ध कराया गया है।

3. NPTEL (National Programme on Technology Enhanced Learning)

NMEICT जो कि 7 IITs तथा IISc के सहयोग से शुरू किया है जिसमें इन्जीनियरिंग विज्ञान और मानविकी सहित 23 पाठ्यक्रमों के 933 विषयों के e content का निर्माण किया गया है तथा विद्यार्थियों को ऑन लाईन के माध्यम से इन विषयों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा भी इस सम्बन्ध में वर्ष 2016 से NPTEL (National Programme on Technology Enhanced Learning) के लोकल चेप्टर के रूप में अपनी सेवाएं विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। विद्यार्थी भी अपने सम्बन्धित विषयों में पंजीकृत होकर इसका लाभ उठा रहे हैं।

टॉपर्स कॉन्क्लेव

दिनांक 8 अगस्त, 2017 से 12 अगस्त, 2017 तक राजभवन, देहरादून में आयोजित टॉपर्स कॉन्क्लेव हेतु विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले निम्न दो विद्यार्थियों की सूची शासन को प्रेषित की गई।

क्र0 स 0	नामांकन संख्या	छात्रछात्रा का / नाम	पिता का नाम	पाठ्यक्रम	प्राप्तांक पूर्णांक प्रतिशत		मोबाइल न/0ई मेल-
	11014694	अमित चौधरी	रणवीर सिंह	एम योग 0ए0	/1009 1200	84.08 %	09458974261 amityogrishi@gmail.com
	14056618	उमेश चन्द्र जोशी	हीरा बल्लभ जोशी	एम 0ए0 शिक्षाशास्त्र	/752 900	83.56 %	08958061982 ujoshi82@gmail.com

इस हेतु डॉ0 राकेश रयाल, जन संपर्क अधिकारी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर, देहरादून, को विश्वविद्यालय द्वारा समन्वयक के रूप में नामित किया गया।

रोजगार सर्वेक्षण

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्रों के रोजगार की स्थिति की जानकारी हेतु विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष कुछ पाठ्यक्रमों में रोजगार सर्वेक्षण करवाया गया | इस सर्वेक्षण

का मुख्य उद्देश्य व्यवसायिक पाठयक्रमों में उपाधि हासिल करने वाले छात्रों की रोजगार की वर्तमान स्थिति का पता लगाना था | जिससे विश्वविद्यालय यह जान सके कि विश्वविद्यालय से विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण कितने छात्रों को रोजगार प्राप्ति में सहायता मिली है तथा साथ ही यह भी पता लगाया जा सके कि क्या विद्यार्थी को प्राप्त रोजगार उसके अपने उत्तीर्ण विषय से सम्बन्धित है या नहीं | इससे उस विषय में समय व माँग के अनुसार आवश्यक परिवर्तन किया जा सके व उस विषय को और अधिक रोजगारपरक बनाया जा सके | इस सम्बन्ध में योग व पर्यटन विभाग द्वारा किए गए रोजगार सर्वेक्षण की रिपोर्ट निम्न है :

पर्यटन विभाग

पर्यटन विभाग द्वारा मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल्स, बैचलर ऑफ़ टूरिज्म एंड ट्रेवल्स, डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है | पर्यटन विभाग द्वारा दूरभाष व ई-मेल के माध्यम से पर्यटन विभाग से विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्रों से संपर्क किया गया |

डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज पाठयक्रम- वर्ष 2016 तक 35 छात्रों ने इस पाठयक्रम को उत्तीर्ण किया जिसमें से 80 प्रतिशत छात्रों ने संबंधित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा 20 प्रतिशत ने अन्य क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया | इस सर्वेक्षण के अनुसार इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण कोई भी छात्र बेरोजगार नहीं हैं|

बैचलर ऑफ़ टूरिज्म एंड ट्रेवल्स- वर्ष 2016 तक इस पाठयक्रम में उत्तीर्ण 22 प्रतिशत छात्रों ने संबंधित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा 45 प्रतिशत ने अन्य क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया | इस सर्वेक्षण के अनुसार इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण शेष 33 प्रतिशत छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अध्ययनरत है |

मास्टर ऑफ़ टूरिज्म एंड ट्रेवल्स- वर्ष 2016 तक इस पाठयक्रम में उत्तीर्ण 64 प्रतिशत छात्रों ने संबंधित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा शेष 36 प्रतिशत ने अन्य क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया | इस सर्वेक्षण के अनुसार इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण कोई भी छात्र बेरोजगार नहीं है |

समग्र रूप में इस विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण 39 प्रतिशत छात्रों ने संबंधित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा 38 प्रतिशत ने अन्य क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया | इस सर्वेक्षण के अनुसार इन पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण शेष 23 प्रतिशत छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अध्ययनरत है |

(पर्यटन विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

योग विभाग

योग विभाग वर्तमान में योग विज्ञान में प्रमाण पत्र- 6 माह (न्यूनतम), प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाणपत्र- 6 माह (न्यूनतम), योग विज्ञान में डिप्लोमा- 1 वर्ष (न्यूनतम), योग विज्ञान में स्नातक – 3 वर्ष (न्यूनतम), एम0 ए0 योग- 2 वर्ष (न्यूनतम) पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

प्रस्तुत रोजगार सर्वेक्षण रिपोर्ट के लिए विभाग ने विविध अध्ययन केन्द्रों, इ-मेल, दूरभाष तथा सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों से वार्ता कर रिपोर्ट तैयार की गई हैं।

योग विभाग के विविध प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में लगभग 4000 से अधिक शिक्षार्थियों ने सफलतापूर्वक शिक्षा ग्रहण की है तथा 3200 विद्यार्थी वर्तमान में अध्ययनरत हैं। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा द्वारा विकसित कौशल के आधार पर छात्रों ने न केवल प्रदेश अपितु देश के विभिन्न स्थानों में सफलतापूर्वक अपने कौशल एवं ज्ञान का प्रचार प्रसार किया है। वर्तमान में योग विज्ञान के विभिन्न छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में योग शिक्षक के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। इसके साथ-साथ स्वयं के योग केन्द्रों, प्राकृतिक चिकित्सालयों एवं परामर्श केन्द्रों द्वारा अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

एम0ए0 योग- इस सर्वेक्षण हेतु 80 छात्रों से संपर्क किया गया जिसमें अधिकतर छात्रों ने सम्बन्धित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा शेष उत्तीर्ण छात्रों ने अन्य क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया है।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक – इस सर्वेक्षण हेतु 80 छात्रों से संपर्क किया गया जिसमें से अधिकतर छात्रों ने सम्बन्धित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा शेष उत्तीर्ण छात्रों ने अन्य क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया है।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा- इस सर्वेक्षण के अन्तर्गत 150 छात्रों से संपर्क किया गया जिसमें से अधिकतर छात्रों ने सम्बन्धित विषय में रोजगार प्राप्त किया तथा शेष उत्तीर्ण छात्रों ने अन्य क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया है।

(योग विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक-ग)

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र 2017-18 में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भौतिकी (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

वनस्पति विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी विषय पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

लोक प्रशासन के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

समाज शास्त्र के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है

होटल प्रबंध के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग के एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विभाग के एम0 कॉम0 पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

वाणिज्य विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है।

वर्तमान सत्र में पंजीकृत होने वाले विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाने वाले **आधार पाठ्यक्रमों** में-

साईबर सिक्योरिटी विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरण अध्ययन विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

देवभूमि प्रदेश में देवभाषा संस्कृत भाषा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व संस्कृत भाषा के सहज सरल ज्ञान हेतु विश्वविद्यालय द्वारा 'सहज संस्कृत बोध' आधार पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। 'सहज संस्कृत बोध' विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।
मानव मूल्य एवं आचार विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

प्राचीन भारतीय विद्या का संवर्द्धन

भारतीय परंपरा की प्रतिनिधि भाषा संस्कृत व ज्योतिष के समुचित प्रचार-प्रसार एवं प्रदेश के लोगों में देवभाषा संस्कृत के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय संस्कृत भाषा से संबंधित पाठ्यक्रमों को और अधिक सरल व सुबोध बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसमें संबंधित पाठ्यक्रमों में आवश्यक सुधार व परिवर्तन किए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक छात्र इन विषयों का लाभ उठा सकें।

गत माह में विश्वाविद्यालय द्वारा 'सहज संस्कृत बोध' नामक आधार पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। इस पाठ्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय द्वारा स्वअध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।
इसी क्रम में दिनांक 7 जुलाई, 2017 को एम0ए0 ज्योतिष के नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु अध्ययन परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विषय विशेषज्ञों (प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल, निदेशक, प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रोफेसर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय विद्यापीठ, दिल्ली तथा डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी सहा0 प्रध्यापक, ज्योतिष) द्वारा विशेषज्ञ समिति में निर्मित एम0ए0 ज्योतिष प्रथम व द्वितीय वर्ष की कुल नौ (09) प्रश्न पत्रों का संशोधन कर अनुमोदन प्रदान किया है।

विदेशी भाषा शिक्षण

विदेशी भाषाओं को बढ़ावा देने हेतु भी विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा जापानी भाषा में प्रमाण पत्र के पाठ्यक्रम की स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री की समीक्षा बैठक दिनांक 12-13 जुलाई, 2017 को आयोजित की गई। बैठक में वाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर मंजुलिका श्रीवास्तव, इग्नू, दिल्ली, प्रोफेसर अंजु सहगल गुप्ता, इग्नू, नई दिल्ली, प्रोफेसर मंजुश्री चौहान, जे0एन0यू0, नई दिल्ली, प्रोफेसर रमालक्ष्मी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री को और अधिक बेहतर बनाने हेतु अपने सुझाव दिये। शीतकालीन सत्र 2017-18 से इस पाठ्यक्रम को शुरू किए जाने की योजना है।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा 2017, 54 परीक्षा केन्द्रों में 05 जुलाई, 2017 तक शान्तिपूर्ण ढंग से संम्पन्न हुई।
- दिनांक 31 जुलाई, 2017 तक वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा से संबंधित कुल 66 विषयों में (मुख्य/बैक) परीक्षाफल घोषित किए जा चुके हैं जिनकी सूची संलग्न है**(संलग्नक-घ)।**

  शेष परीक्षाफलों की घोषणा का कार्य प्रगति में है।
- विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2017 से विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्रों को ऑनलाईन अंकतालिकाओं की डिजिटल हस्ताक्षर वाली मूल प्रतियां जारी की जाएंगी।
- दिनांक 23 जुलाई, 2017 को एम0बी0ए0 प्रवेश परीक्षा 04 केन्द्रों हल्द्वानी, पिथौरागढ़, देहरादून व हल्द्वानी केन्द्रों में सम्पन्न कराई गई। जिसमें कुल 270 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।
- विभिन्न विभागों से प्राप्त परियोजना कार्य (Project work) का मूल्यांकन कर अंकों की प्रविष्टि कर ली गई है।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में प्रवेश प्रक्रिया कार्य प्रगति में है।
- दिनांक 31 जुलाई, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में कुल 3,325 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।
- 31 जलाई, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-2018 में पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय कार्यालयों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

पौड़ी	- 418
उत्तरकाशी	- 267
पिथौरागढ़	- 139
रानीखेत	- 287
बागेश्वर	- 128

कुल - 1239

- ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 के जुलाई माह में प्रवेश अनुभाग द्वारा विवरणिकाओं को विभिन्न अध्ययन केन्द्रों को प्रेषित किया जा चुका है। वर्तमान तक 3180 विवरणिकाएं विश्वाविद्यालय द्वारा आबंटित की जा चुकी हैं।

सौर उर्जा सयंत्र (Solar Power Plant)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विद्युत उर्जा की बचत हेतु उत्तराखण्ड अक्षय उर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) द्वारा सोलर पॉवर प्लांट लगाने की पहल की है। जिसमें उरेडा विभाग से सम्बद्ध फर्म के तकनीकी प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु दिनांक 24.05.2017 को विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया तथा उरेडा के माध्यम से उक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जून माह में उपलब्ध हो गई है जिसे परियोजना अधिकारी, नैनीताल, हल्द्वानी कार्यालय के माध्यम से उपमुख्य परियोजना अधिकारी, उरेडा मुख्यालय, देहरादून को पत्रांकः104/उरेडा/एन/ऑफगि0सा0पा0प्लांट/ 485/2016, दिनांक 12/जून/2017 को स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जा चुका है। उरेडा मुख्यालय, देहरादून ने उरेडा परियोजना कार्यालय, हल्द्वानी को मार्जिन मनी रू0 1,40,000.00 मात्र विश्वविद्यालय से प्राप्त करने हेतु सहमति पत्र प्रेषित किया गया है जिसके क्रम में विश्वविद्यालय ने उरेडा हल्द्वानी कार्यालय को शासन से सब्सिडी स्वीकृत होने पर उक्त मार्जिन मनी एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने की लिखित सहमति प्रदान कर दी है।

बारिश के पानी का संग्रहण (Rainwater Harvesting)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में अनुपयोगी भूमि में वर्षा के जल का संग्रहण करने हेतु कम कीमत वाले एल0डी0पी0ई0 (सिलपोलिन) पोलीथीन टैंक का निर्माण कराने हेतु विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, अल्मोड़ा से तकनीकि मार्गदर्शन हेतु प्रधान वैज्ञानिक एवं उनके टीम सदस्य द्वारा विश्वविद्यालय का भ्रमण कर तकनिकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसी क्रम में कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। वर्तमान में वर्षा का जल (Surface Water) टैंक में जमा

होकर भूमि में भीतर प्रवेश (Percolate) कर रहा है। सिलपोलिन क्रय करने की प्रक्रिया जारी है। सिलपोलिन प्राप्त होने के पश्चात् टैंक में वर्षा जल ज्यादा समय तक संग्रहित किया जा सकेगा जिसका उपयोग वर्षा समाप्ति के पश्चात् विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न पौधों की सिंचाई हेतु प्रयोग किया जायेगा।

अन्य गतिविधियां

- दिनांक 13 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर मंजुलिका श्रीवास्तव द्वारा विश्वविद्यालय सभागार में विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित सभी अध्यापकों को सम्बोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में हुए नवीन परिवर्तनों व यू0जी0सी0 द्वारा दूरस्थ शिक्षा के सम्बन्ध में बनाए गए विनियम, 2017 के सम्बन्ध में अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि विनियम के तहत् देश के मुक्त विश्वविद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थान किस प्रकार कार्य करेंगे जिसमें नए पाठ्यक्रमों के संचालन की स्वीकृति, नए अध्ययन केन्द्रों की स्थापना, परीक्षा केन्द्रों का संचालन व छात्र सुविधाएँ मुख्य हैं।
- विश्वविद्यालय परिसर में 14 जुलाई, को 2017हरियाली कार्यक्रम के अंतर्गत अमर उजाला फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों छायादार व फूलदार पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, अमर उजाला के संपादक संजय देव तथा कुलसचिव प्रोआर .0 सी0 मिश्रा, निदेशक प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय व श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा, डॉ0 विरेन्द्र कुमार, डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा, श्री द्वजेश उपाध्याय, श्री प्रदीप पाठक, श्रीमती रेखा बिष्ट, श्री मोहन पाण्डे, श्री देवेन्द्र नेगी आदि ने भी पौधारोपण किया।

दिनांक 17 जुलाई, 2017, को वन विभाग द्वारा भी विश्वविद्यालय परिसर में पौंधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- दिनाकं 17/07/2017 को कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र सीफा इंस्टिट्यूट हल्द्वानी में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के छात्रों के लिए फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्याशाखाओं के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में श्री बालम दफौटी, कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के विषय में प्रशिक्षण दिया गया | प्रशिक्षण में छात्रों द्वारा ओपन ऑफिस ओ आर जी, द्रुपल तथा वेबसाइट से सम्बंधित टूल्स व ओपन सोर्स सिस्टम सोफ्टवेयर के बारे में जानकारी प्राप्त की |

- दिनांक 10 जुलाई, 2017 से 12 जुलाई, 2017 तक डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहा0 प्राध्यापक, प्रबंध तथा डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी, सहा0 प्रध्यापक, शिक्षा शास्त्र द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA) द्वारा आयोजित MOODLE तथा MOOCs सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। इस कार्यशाला में OERs के उपयोग के विषय में विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त LMS(Learning management System) में कार्यक्रम के संचालन तथा विषय सामग्री को अपलोड करने हेतु आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायी गई। इसके अंतर्गत SWAYAM तथा SWAYAM PRABHA के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।
- बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के द्वितीय सत्र की मौखिक परीक्षा दिनांक 13 जुलाई से 22 जुलाई 2017 तक हल्द्वानी, देहरादून तथा पौड़ी में संपन्न हुई जिसमें 400 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- माह जुलाई, 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त वर्ष 2017-18 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों द्वारा इकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गए।

(विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ङ)

.....